Global Shipping firms may back out CPT

•216. DR. Y. LAKSHMI PRASAD: Will the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the news-item appearing in the Economic Times, dated the 27th June, 1997, captioned, "Global Shipping firms may back out CPT";

(b) if so, the facts thereof; and

(c) the measures taken to boost the image of Calcutta Port Trust on the International circuit?

THE MINISTER OF SURFACE TRANSPORT (SHRI T.G. VENKATRAMAN): (a) and (b) Yes, Sir. The report has only raised certain apprenensions from the view point of the ships owners. But the fact remains that the shipping movement to and fro from the Calcutta Port were resumed the very next day of the incident.

(c) The Government has taken all necessary steps to project the correct position by issuing a Press Note and organising. Press Conference

उत्तर प्रदेश में संचार प्रणाली का विकास

*217. **प्रो0 राम बख्श सिंह वर्मा** : क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गत तीन वर्षों के दोरान उत्तर प्रदेश में संचार प्रणाली के विकास पर कितनी राशि खर्च की गई है;

(ख) क्या यह सच है कि अन्य राज्यों की तुलना में इस राज्य में उक्त प्रणाली अभी भी शोचनीय स्थिति में हैं;

(ग) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं; और

(घ) संचार प्रणाली के सुधार हेतु क्या कदम उठाये जा रहे हैं?

संचार मंत्री (श्री बेनी प्रसाद वर्मा) : (क) गत तीन वर्षों के दौरान उत्तर प्रदेश में संचार-प्रणाली के विकास हेतु व्यय की गई धन राशि का ब्यौरा निम्नवत् हैं:

वर्ष	धन राशि (करोड़ रू0 में)
1994-95	391.45
1995-96	593.68
1996-97	677.26

(ख) और (ग) जी नहीं। डी ई एल (सीधी एक्सचेंज लाइनों) की प्रतीक्षा सूची, के प्रतिशत दोष दर तथा काल सफलता दर जैसे पैरामीटरों को देखा जाए तो उत्तर प्रदेश में दूरसंचारी प्रणाली की स्थिति राष्ट्रीय स्तर पर औसत स्थिति के बराबर ही हैं।

(ङ) राज्य में दूरसंचार के सुधार हेतु पहले ही कई कदम उठाए जा चुके हैं तथा उन्हें जारी रखा जा रहा हैं। ये उपाय निम्नवत हैं:-

1. सेवाओं का कम्प्यूटरीकरण।
2. नेटवर्क में नई प्रौद्योगिकी की शुरूआत।
3. पुराने तथा मियाद समाप्ति वाले एक्सचेंजों को बदला जाना।
4. आउट डोर प्लांट का उन्नयन।
5. जेली से भरी हुई केबिलों क प्रयोग।
6. केबिलों का डक्ट के अन्दर बिछाया जाना।
7. एक्सचेंजों के लिए उच्चस्तरीय निगरानी प्रणाली।
8. जंक्शन कार्यकरण के लिए विश्वसनीय मिडिया की शुरूआत।
9. कर्मचारियों के कौशल में सुधार लाने के लिए पुनचर्या प्रशिक्षण।
10. स्थानीय लूप एच डी एस एल, उडीएसएल कान्ट्रक्कस में वायरलैस की तथा स्थानीय नेटवर्क में धीरे-धीरे आप्टिकल फाइबर प्रौद्योगिकियों की शुरूआत।
11. सन 2000 तक सभी एक्सचेंजों में एस टी डी सुविधा की व्यवस्था।
12. मांग पर टेलीफोन उपलब्ध करवाने हेतु, नेटवर्क का विस्तार।
13. निम्न प्रकार की नई सेवाओं की शुरूआत:-

- आई एस डी एन
- इन्टेलीजेंट नेटवर्क
- इन्टरनेट
- सचल उपग्रह सेवाएं